विश्व खाद्य पुरस्कार 2022

हाल ही में **विश्व खाद्य पुरस्कार फाउंडेशन** ने **विश्व खाद्य पुरस्कार 2022** की विजेता संयुक्त राज्य अमेरिका की **डॉ सिंथिया रोसेनज़्विग** के नाम की घोषणा की।

- रोसेनज़्विग को उनके शोध 'जलवायु और खाद्य प्रणालियों के बीच संबंधों को समझने तथा भविष्य में दोनों कैसे बदलेंगे एवं इसका पूर्वानुमान' के लिये पुरस्कार हेतु चुना गया।
- वर्ष 2021 में प्रमुख पोषण विशेषज्ञ डॉ. शकुंतला हरक सिंह थिल्स्टेड ने पुरस्कार जीता और वर्ष 2020 में भारतीय अमेरिकी मृदा वैज्ञानिक डॉ. रतन लाल ने पुरस्कार जीता।

विश्व खाद्य पुरस्कार:

- **उद्देश्य:**
  - विश्व खाद्य पुरस्कार विश्व में भोजन की गुणवत्ता, मात्रा या उपलब्धता में सुधार कर उन्नत मानव विकास करने वाले व्यक्तियों की उपलब्धियों को मान्यता देने हेतु प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है।
- **शामिल विषय क्षेत्र:**
  - यह एक वार्षिक पुरस्कार है जो विश्व खाद्य आपूर्ति में योगदान देने वाले किसी भी क्षेत्र, जैसे- पौधे, पशु और मृदा विज्ञान,खाद्य विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी, पोषण एवं ग्रामीण विकास आदि को मान्यता देता है।
- **पात्रता:**
  - इसकी पात्रता जाति, धर्म, राष्ट्रीयता या राजनीतिक मान्यताओं की परवाह किये बिना सभी व्यक्तियों के लिये खुली है।
- **नकद पुरस्कार:**
  - पुरस्कार विजेता को 2,50,000 अमेरिकी डॉलर के नकद पुरस्कार के अलावा प्रसिद्ध कलाकार और डिजाइनर, शाऊल बास द्वारा डिज़ाइन की गई एक मूर्ति प्रदान की जाती है।
- **पुरस्कार की प्रस्तुति:**
  - यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष **अक्तूबर** में [संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य दिवस (16 अक्तूबर)](#) पर या उसके आसपास प्रस्तुत किया जाता है।
  - इसे **विश्व खाद्य पुरस्कार फाउंडेशन** द्वारा प्रस्तुत किया जाता है, जिसमें 80 से अधिक कंपनियाँ, व्यक्ति आदि दानकर्त्ताओं के रूप में शामिल हैं।
  - वर्ल्ड फूड प्राइज़ फाउंडेशन अमेरिका के **डेस मोइनेस (Des Moines)** में स्थित है।
- **पृष्ठभूमि:**
  - वैश्विक कृषि में अपने काम के लिये वर्ष 1970 में [नोबेल शांति पुरस्कार](#) विजेता डॉ. नॉर्मन ई. बोरलॉग ने **विश्व खाद्य पुरस्कार** पुरस्कार

की कल्पना की थी।
    - इन्हें **हरित क्रांति** के जनक के रूप में भी जाना जाता है।
- विश्व खाद्य पुरस्कार (जनरल फूड्स कॉरपोरेशन द्वारा प्रायोजित) की शुरुआत वर्ष 1986 में की गई थी।
- इसे "खाद्य और कृषि के लिये नोबेल पुरस्कार" (Nobel Prize for Food and Agriculture) के रूप में भी जाना जाता है।
- डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन जिन्हें भारत में हरित क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है, वर्ष 1987 में इस पुरस्कार को प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति थे।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-food-prize-2022